श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

शिक्षण अधिगम केन्द्र

पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण योजना

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

चरण-V, कार्यक्रम सं. - 10

द्विसाप्ताहिक ऑनलाइन राष्ट्रीय

संकाय विकास कार्यक्रम (एफ.डी.पी.)

शिक्षक व्यावसायिक कौशल विकास

दिनांक 14 से 23 दिसम्बर, 2021

परिचय:

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय), नई दिल्ली के शिक्षण अधिगम केन्द्र की स्थापना **शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार** की **पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण योजना** (PMMMNMTT) के पाठ्यचर्या एवं शिक्षणशास्त्र हेतु उत्कृष्टता केन्द्र के घटक के अन्तर्गत हुई है। यह योजना शिक्षा के सभी स्तरों में गुणात्मक सुधार करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। इस केन्द्र का मुख्य उद्देश्य भाषा शिक्षा विशेषकर संस्कृत से जुड़े अध्यापक एवं अध्यापक शिक्षको में शिक्षण एवं अधिगम प्रणालियों के अभिकल्पन, विकास, क्रियान्वयन एवं मूल्यांकन हेतु कौशल एवं कुशलताओं का विकास करना है। **भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा केंद्र को उच्च शिक्षा के नवनियुक्त अध्यापकों हेतु एक मासिक अनिवार्य संकाय अनुबोधन कार्यक्रम (FIP) के संचालन हेतु जारी 30 नये केन्द्रों की सूची में चिह्नित किया गया तथा उसे संस्कृत विषय में SWAYAM मंच के माध्यम से Annual Refresher Program in Teaching (ARPIT – 2018, 2019 व 2020 कोर्स) के निर्माण हेतु राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र (NRC) के रूप में भी अधिसूचित किया गया। इसके साथ केन्द्र द्वारा उच्च प्राथमिक स्तर एवं माध्यमिक स्तर पर संस्कृत शिक्षण हेतु दो संदर्शिकाओ का प्रकाशन किया गया है। अभी तक केन्द्र द्वारा 43 कार्यक्रम एवं 3 संकाय अनुबोधन कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया जा चुका है । पंचम चरण के सभी कार्यक्रमों का संचालन माननीय कुलपति महोदय के संरक्षण में किया जा रहा है ।**

सन्दर्भ:

यह सर्वविदित है कि किसी विशिष्ट व्यवसाय से जुड़े ज्ञान, अभिवृत्ति, कौशल एवं कुशलताओं को संवर्द्धित करने में व्यावसायिक विकास एक अहम भूमिका अदा करता है । प्रशिक्षण एवं अधिगम के माध्यम से यह अपने व्यवसाय में भी सुधार करने, बढ़ने, प्रगति करने एवं व्यवस्थित रखने के अवसर प्रदान करना है । शिक्षकों का व्यावसायिक विकास उन्हें अपने विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के अनुरूप अधिक प्रबल एवं अधिक उपयुक्त रूप में रूपान्तरित करने में सहायता प्रदान करता है। विषयी ज्ञान के अतिरिक्त शिक्षकों में शोध कार्य और शिक्षण अधिगम प्रणालियों के नियोजन, अभिकल्पन, क्रियान्वयन, आकलन तथा उनमें तकनीकी प्रयोग एवं समन्वय करने के कौशल एवं कुशलताएं जरुर होनी चाहिए। ये कौशल शिक्षकों को उनके व्यवसाय की प्रगति में ही सहायक नहीं होते अपितु उनके विद्यार्थियों हेतु उत्तम अधिगम परिणाम भी सुनिश्चित करते है। अतः एक प्रभावी एवं कुशल व्यावसायिक बनने के लिये नियमित व्यावसायिक कौशल विकास करते रहना आवश्यक बन जाता है। इसी पृष्ठभूमि में द्विसाप्ताहिक ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम (एफ.डी.पी.) का आयोजन प्रतिभागियों को उनके शिक्षणशास्त्रीय, तकनीकी, आकलन एवं शोध कुशलताओं के संवर्द्धन में अंतर्दृष्टि प्राप्त कराने के आशय से किया जा रहा है।

उद्देश्य:

इस कार्यक्रम के उद्देश्य हैं -

- विविध शिक्षणशास्त्रीय कौशलों को संवर्द्धित करने में अंतर्दृष्टि प्रदान करना ।
- विविध आकलन प्रक्रियाओं एवं ऑनलाइन उपकरणों के प्रयोग हेतु आकलन कौशलों को अभिवृद्ध करना ।
- शिक्षण, आकलन, ई-पाठ्यवस्तु निर्माण एवं अधिगम प्रबन्धन प्रणाली से जुड़े तकनीकी कौशलों को अभिवृद्ध करना ।
- शोध कार्य सम्बन्धित डिजिटल कौशलों को संवर्द्धित करना ।

लक्ष्य समूह:

- सभी विषयों के उच्च शिक्षा के शिक्षक। (भाषा एवं परम्परागत विषयों जैसे व्याकरण, वास्तुशास्त्र, दर्शन, साहित्य, धर्मशास्त्र, ज्योतिष आदि के शिक्षकों को प्राथमिकता)
- परम्परागत एवं आधुनिक दोनों विश्वविद्यालयों के अध्यापक शिक्षक।
- केवल संस्कृत विषय के TGT तथा PGT शिक्षक।
- सभी विषयों के अनुसंधानकर्ता।

पंजीकरण:

इस कार्यशाला के लिये **पंजीकरण शुल्क ₹1000/- (अप्रतिदेय)** है। इच्छुक प्रतिभागी इस लिंक https://forms.eduqfix.com/slbsnsuform/home द्वारा **12 दिसम्बर, 2021 को रात 10 बजे तक** ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। अधिकतम प्रवेश क्षमता तक पंजीकरण पहुँचने की स्थिति में यह लिंक अंतिम तिथि से पहले बंद कर दिया जायेगा। पंजीकरण **पहले आओ पहले पाओ** के आधार पर प्रदान किया जाएगा।

सक्रिय प्रतिभाग हेतु अपेक्षित सामग्री : -

1. **लैपटॉप/ कैमरा एवं माइक्रोफोन के साथ कंप्यूटर/स्मार्टफ़ोन।**
2. **कार्यशाला के समय उत्तम इन्टरनेट कनेक्टिविटी कम से कम 5 जीबी डाटा प्रतिदिन।**

महत्त्वपूर्ण सूचना

ऑनलाइन प्लेटफार्म: **गूगल मीट**

- ✓ प्रतिभाग हेतु **ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य** है।
- ✓ पंजीकरण प्रपत्र में कृपया अपना **वैध ईमेल एवं Whatsapp नंबर** प्रदान करें क्योंकि कार्यशाला सम्बन्धित सभी सम्प्रेषण इन्हीं के द्वारा किये जाएंगे।
- ✓ इस कार्यशाला में प्रतिभाग/ पूर्णता (निष्पादन आधारित ग्रेड) का **ई-प्रमाणपत्र** प्रदान किया जाएगा।
- ✓ **यूजीसी अधिनियम 2018 के अनुसार इस एफ.डी.पी. का ई-सर्टिफिकेट करियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के लिए मान्य होगा। (पद संख्या. 18.0 (ix)).**

समन्वयक एवं संयोजक
प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज
निदेशक

सह-संयोजक
कार्यक्रम सुगमकर्ता
डॉ. पिंकी मलिक एवं डॉ. दिनेश यादव
श्री सुरेन्द्र नागर,
श्री ज्ञान चन्द शर्मा,
श्री राकेश काण्डपाल,
श्री अक्षत डबराल
श्री सचिन कुमार

संरक्षक
प्रो. मुरली मनोहर पाठक
कुलपति

आयोजक

शिक्षण अधिगम केन्द्र

पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण योजना, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय), नैक द्वारा 'ए' ग्रेड प्रदत्त
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016

अन्य जानकारी हेतु-
सम्पर्क सूत्र -**9891777666, 9716692396, 8285513959**
ई-मेल: **tlc@slbsrsv.ac.in** वेबसाइट: **www.slbsrsv.ac.in**